तापमान
अधिकतम 40.2 डिग्री
न्यूनतम 21.6 डिग्री

हरिभूमि
महासमुंद भूमि
रायपुर, शुक्रवार 24 अप्रैल 2026

12 भीषण गर्मी में सूख गई जोंक नदी, गांवों में जलसंकट...

12 श्रीमद भागवत महापुराण कथा का शुभारंभ, कलश यात्रा...

खबर संक्षेप

घर से बाइक चोरी, अज्ञात के खिलाफ जुर्म दर्ज

महासमुंद। बाइक चोरी के मामले में बसना थाने में अज्ञात आरोपी के विरूद्ध जुर्म दर्ज किया गया है। सिरको निवासी जन्मजय निषाद 19 अप्रैल को अपनी मोटर सायकल क्रमांक सीजी 06 जीबी 6098 को घर के बाहर बरामदा में खड़ी कर अपनी पत्नी को लेकर अवर लेडी अस्पताल बसना आया था। 20 अप्रैल को उसे पता चला कि घर में खड़ी हुई बाइक नहीं थी। मामले की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध धारा 303(2) बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज किया गया है।

गांवों में नलकूप फेल, 2023 में पूरा होने वाला मिशन 2026 में भी अधूरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

कहीं नलकूप फेल तो कहीं पाईपलाईनें अधूरी। वहीं कहीं यह हाल की पाइपलाइन से पानी सप्लाई होने से पहले ही क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। बिना पानी की उपलब्धता जांचें नलकूपों के फेल होने के बाद भी तैयार की गई टंकियां पेयजल आपूर्ति के उद्देश्य को पूरा नही कर पा रही है। जिले के हर घर विशेष तौर पर ग्रामीण इलाकों में जल संकट दूर करने के उद्देश्य से शुरु हुई जल जीवन मिशन की गति अपेक्षाकृत वह नही जो इस केंद्रीय योजना से वर्तमान सरकार को लाभ पहुंचा सके। योजना के सब्ज बाग से परेशान ग्रामीणों का इससे मोहभंग होने लगा है।

जिले में जल जीवन मिशन के तहत 85 प्रतिशत कार्य पूर्ण होने का दावा किया जा रहा है। लेकिन, जमीनी हकीकत इससे अलग दिखती है। कई गांवों में कनेक्शन तो दिए गए हैं, पर पानी नहीं पहुंच रहा। तकनीकी खामियां, धीमी प्रगति और निगरानी की कमी योजना की रफ्तार को प्रभावित कर रही है। सरायपाली और बसना विकासखंड सबसे पीछे बताए जा रहे हैं।

जिले के दूरस्थ क्षेत्रों और आंतरिक ग्रामों में स्थिति काफी दयनीय

शो पीस बनी टंकियां, सूखे नल

बसना क्षेत्र के कुछ गांवों में लाखों रुपये की लागत से बनी टंकियां केवल "शोपीस" बनकर रह गई हैं। पाइपलाइन और मोटर की व्यवस्था न होने से नलों में पानी नहीं आ रहा। ग्रामीणों को मजबूरन पुराने जलस्रोतों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। वन एवं सुरक्षा क्षेत्रों के गांवों में स्थिति अधिक गंभीर है। यहां जलापूर्ति योजनाएं अधूरी हैं और नलकूपों की विफलता के कारण पेयजल का संकट गहराता जा रहा है। कई गांवों में टैंकर से पानी पहुंचाने की नौबत आ गई है।

जमीनी हकीकत अलग

विभाग के अनुसार जिले में हजारों घरों तक नल कनेक्शन पहुंचाए जा चुके हैं, लेकिन नियमित जलापूर्ति अभी भी चुनौती बनी हुई है। 2023 तक योजना को पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया था, परंतु वर्तमान स्थिति को देखते हुए इसमें देरी तय मानी जा रही है। जल जीवन मिशन का उद्देश्य हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना है, लेकिन धीमी प्रगति, तकनीकी समस्याएं और अधूरे कार्य इस लक्ष्य में बाधा बन रहे हैं।

नलकूप फेल, मिशन पर संकट

गर्मी बढ़ने के साथ ही जलस्रोतों पर दबाव बढ़ गया है। अनेक स्थानों पर नलकूप फेल होने से जलापूर्ति ठप हो रही है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार सैकड़ों गांवों में जलसंकट की स्थिति बन रही है। ग्रामीणों का कहना है कि कई जगह वैकल्पिक व्यवस्था भी नहीं है, जिससे परेशानी और बढ़ गई है।

अधूरे काम और तकनीकी दिक्कतें

कई ग्रामों में पानी टंकियां बनकर तैयार हैं, लेकिन पाइपलाइन बिछाने का काम अधूरा है। कुछ जगह पाइपलाइन बिछी है, पर जलस्रोत या मोटर पंप की व्यवस्था नहीं हो पाई है। इससे पूरी परियोजना अधूरी रह जाती है और लोगों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा। अधिकारियों का कहना है कि ठेकेदारों को कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

कहर: चार-पांच दिनों में 44 डिग्री सेल्सियस पहुंच सकता है तापमान

भीषण गर्मी से बाजारों व सड़कों पर पसरा सन्नाटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

भीषण गर्मी ने अप्रेल माह के शुरुआती दौर में ही तेवर दिखाने शुरु कर दिए थे वहीं अप्रेल के दूसरे पखवाड़े में जिला मुख्यालय सहित पूरा अंचल गर्मी की चपेट में है।

रोजाना 42-44 डिग्री तापमान के चलते लोगों का दोपहर में सड़क पर निकला मुश्किल है वहीं कूलर पंखे काम नही कर सरे साथ ही इसका सीधा असर लोगों के स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। चिलचिलाती धूप और गर्म हवाओं के कारण बाजारों व सड़कों पर दिनभर सन्नाटा पसरा रहा और जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ।

मौसम विभाग के अनुसार आने वाले चार-पांच दिनों में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है, जो अप्रैल माह के लिए बेहद उच्च स्तर माना जा रहा है। मौसम विभाग के संकेत साफ हैं आने वाले दिनों में भी गर्मी का कहर जारी रहेगा। ऐसे में लोगों को सतर्क रहने, अनावश्यक रूप से धूप में बाहर न निकलने और पर्याप्त पानी पीने की सलाह दी जा रही है। गुरुवार को दोपहर एक बजे तक न्यूनतम तापमान 28 डिग्री और अधिकतम 42 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहा। पूरे सप्ताह राहत की कोई खास उम्मीद नहीं है। इधर, भीषण गर्मी के चलते सुबह 9-10 बजे से ही गर्म हवाओं का असर शुरू हो जा रहा है, जो शाम 5-6 बजे तक जारी रहता है। खासकर दोपहर 12 से 4 बजे के बीच शहर ही नहीं, गांवों में भी कर्फ्यू जैसे हालात नजर आते हैं। लोग केवल अत्यंत आवश्यक कार्यों के लिए ही बाहर निकल रहे हैं और वह भी पूरे शरीर को ढंककर। शाम ढलने के बाद ही बाजारों और सड़कों पर हलचल दिखाई देती है।

भीषण गर्मी से बढ़ा मौसमी बीमारी का खतरा

मौसमी बदलाव के दौरान जलजनित एवं वेक्टर जनित बीमारियों का प्रकोप बढ़ रहा है। मेडिकल कॉलेज सहित निजी अस्पतालों में बुखार, बदन दर्द, उल्टी दस्त से पीड़ित मरीजो की संख्या बढ़ रही है। सीएचएमओ डॉ. नागेश्वर राव ने बताया कि अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केंद्रों में ओआरएस, क्लोरीन टैबलेट, एंटीबायोटिक्स, एंटीमलेरियल सहित आवश्यक दवाइयों का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित किया गया है। जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त दवाओं की आपूर्ति के निर्देश भी दिए गए हैं। वहीं मितानिनों एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित कर गांव-गांव में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। शुद्ध पेयजल की व्यवस्था पर विशेष जोर देते हुए जल स्रोतों के नियमित क्लोरीनीकरण, कुएं में ब्लीचिंग पाउडर डालने तथा खराब हैंडपंपों की मरम्मत के लिए पीएचई विभाग से समन्वय स्थापित किया गया है। गंभीर मरीजों के उपचार के लिए जिला अस्पताल एवं स्वास्थ्य केंद्रों में विशेष इंतजाम किए गए हैं। वहीं बच्चों में दस्त रोग के प्रबंधन को लेकर भी विशेष सतर्कता बरतने कहा गया है। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे केवल स्वच्छ पानी का उपयोग करें, खुले में रखे खाद्य पदार्थों से बचें, सड़ी-गली वस्तुओं का सेवन न करें तथा मच्छरों से बचाव के उपाय अपनाएं और अति आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकलें।

झलप में तेज रफ़्तार हाइवा ने कार को मारी टक्कर

झलप। छिलपावन चौक झलप में कल देर रात एक तेज रफ़्तार हाइवा ने स्विफ्ट कार को जोरदार टक्कर मार कर दी, जिससे कार हाईवे से उछलकर कर सर्विस रोड किनारे की दुकान के पास जा गिरी। प्रत्यक्षदर्शी के हिसाब से स्विफ्ट कार क्रमांक पीबी 29 एजी 1662 ओडिशा से रायपुर जा रही थी, जब उसकी टक्कर करीब रात के 11:40 मिनट पर हाइवा से हो गई। इसमें पंजाब के मोगा निवासी रमन और उनके साथ में ड्राइवर मौजूद थे। इस टक्कर में ड्राइवर के हाथ, पैर और फेफड़े की कुछ पसलियों के टूटने की जानकारी मिली है। दूसरे सवार रमन के सिर में चोट आई है। टक्कर के पश्चात हाइवा बागबाहरा की ओर तेजी से निकल गई।

वैगनआर कार में लगी अचानक आग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सरायपाली

नगर के पदमपुर रोड़ पर स्थित गुरुनानक चौंक के पास एक वैगनआर कार को सड़क किनारे खड़ी कर किसी काम से गया थे। उसी समय खड़ी गाड़ी में हल्की सी चिंगारी निकलने के बाद देखते ही देखते धूं-धूं कर पूरी कार में आग लग गई। घटना की जानकारी मिलते ही टीआई नितेश ठाकुर अपने बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर सुरक्षित हटाने लोगों को काफी दूर रोक दिया गया। नगर पालिका में अस्थाई तौर पर आई फायर ब्रिगेड भी पहुंचकर आग बुझाने में अपनी भूमिका निभाई, किन्तु तब तक कार लगभग जल चुकी थी। नगर पिछले कई दिनों से भीषण तेज गर्मी से झुलस रहा है। पारा 45 पार कर चुका है। तेज गर्मी के चलते बाजार की रौनक भी गायब रहीं, ऐसे में जरूरी काम वाले ही बाहर निकल रहे हैं। किसी काम से ग्राम दुलारपाली निवासी हेमलाल साहू आए हुए थे। गुरुनानक चौंक में चप्पल सिलाने के लिए वे दुकान जाने के बाद अचानक उन्होंने देखा कि इंजन के तरफ से हल्की आग निकल रही है। कुछ समझ में आता इसके पहले ही देखते ही आग पूरी तरह वैगनआर कार को अपने चपेट में ले ली। पुलिस व नगर पालिका को इसकी सूचना दिए जाने के बाद टीआई नितेश ठाकुर अपने पुलिस बल के तत्काल घटना स्थल पर पहुंचकर सुरक्षा को देखते हुए लोगों को जलती कार से दूर रहने की सलाह दी। उसी समय नगरपालिका की फायर फायर ब्रिगेड भी पहुंच गई। पुलिस, नगर पालिका व फायर ब्रिगेड की संयुक्त प्रयास से तत्काल आग बुझाई जा सकी। किंतु, तब तक कार पूरी तरह जल चुकी थी। घटना में किसी के हताहत की कोई खबर नहीं है। आग को फैलने व संभावित नुकसानों से बचा लिए जाने के लिए नगरवासियों ने टीआई नितेश ठाकुर, पुलिस बल, नगरपालिका व फायर ब्रिगेड कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया है।

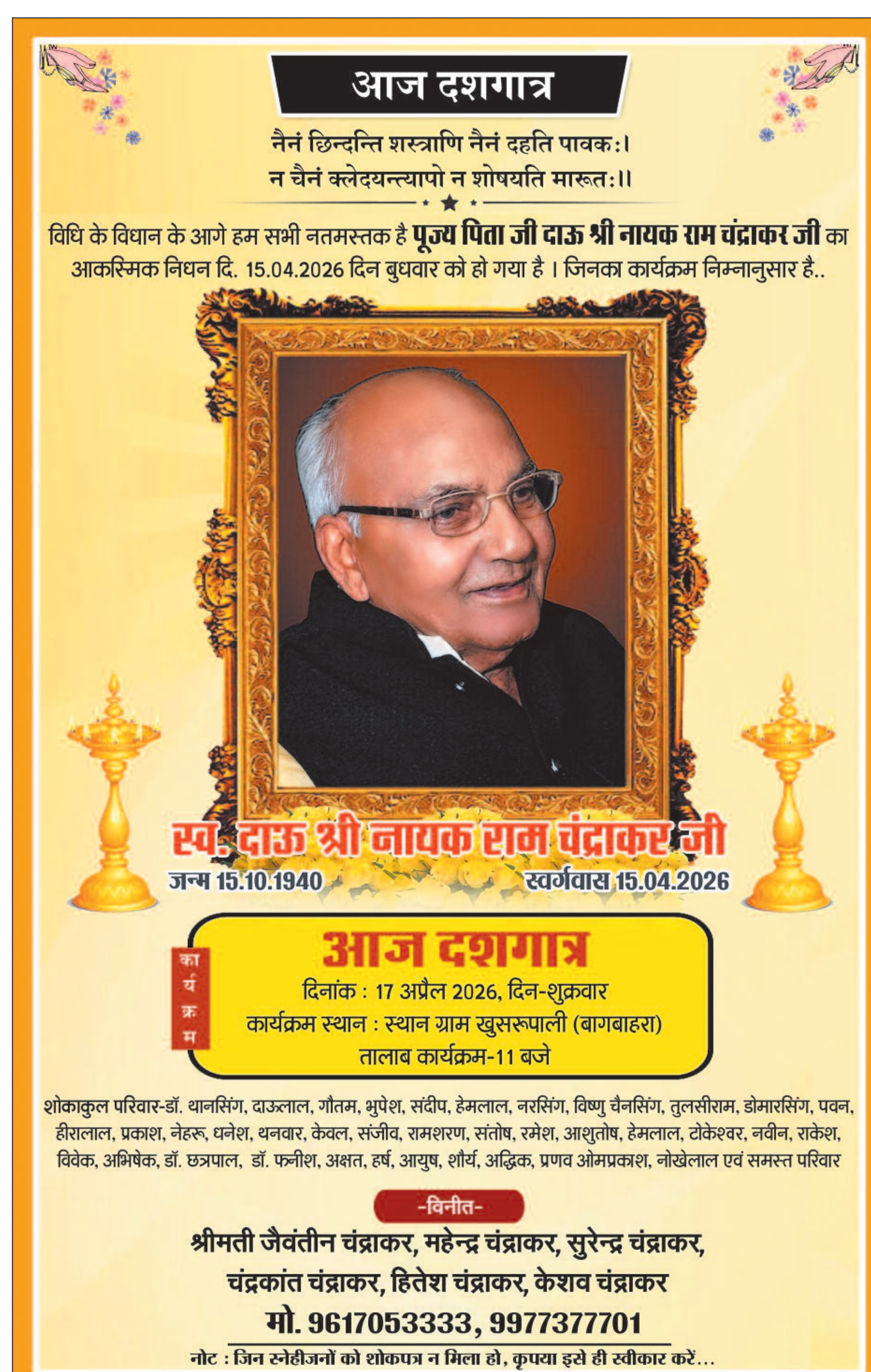

छत्तीसगढ़ में कर्मचारी चयन मंडल के गठन को राज्यपाल की मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

छत्तीसगढ़ में अब व्यावसायिक परीक्षा मंडल यानी व्यापमं की जगह छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल के माध्यम से तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मियों की नियुक्तियां होंगी। दरअसल राज्य सरकार ने इस संबंध में विधानसभा से विधेयक पारित कराया था, अब इसे राज्यपाल की मंजूरी मिल गई है। राज्य में सरकारी नियुक्तियों की प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

इस चयन मंडल के अस्तित्व में आने से राज्य के विभिन्न विभागों में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के पदों पर भर्ती प्रक्रियाओं में तेजी आने की उम्मीद है। मंडल एक स्वतंत्र निकाय के रूप में कार्य करेगा, जिससे परीक्षाओं के आयोजन और परिणाम घोषित करने की समय-सीमा में सुधार होगा। मंडल के अध्यक्ष और अन्य सदस्यों की नियुक्ति की प्रक्रिया भी जल्द ही शासन द्वारा शुरू की जा सकती है।

व्यापमं की जगह लेगा मंडल, तृतीय, चतुर्थ श्रेणी पदों की होगी भर्ती

अब परीक्षाएं किस प्रकार ली जाएंगी?

अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, भर्ती प्रक्रियाओं के संचालन के लिए ये व्यवस्थाएं की गई हैं। केंद्रीकृत भर्ती प्रणाली- यह मण्डल मुख्य रूप से राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के पदों पर सीधी भर्ती के लिए परीक्षाएं आयोजित करेगा। अधिनियम की धारा 13(1) स्पष्ट करती है कि भर्ती प्रक्रिया के संचालन के दौरान होने वाले व्यय की पूर्ति मण्डल निधि से की जाएगी। इसमें प्रश्नपत्र तैयार करने, परीक्षा केंद्रों के प्रबंधन और मूल्यांकन की प्रक्रिया शामिल है। परीक्षाओं का आयोजन राज्य सरकार द्वारा निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार होगा। मण्डल को यह अधिकार होगा कि वह परीक्षाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए केंद्रों का निर्धारण करे और अनुचित साधनों को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए।

मण्डल निधि' का होगा गठन

अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, मण्डल के सुचारू संचालन के लिए 'मण्डल निधि' नाम से एक समर्पित कोष बनाया जाएगा। मण्डल को प्राप्त होने वाली समस्त धनराशि इसी निधि में जमा की जाएगी। वित्तीय प्रबंधन- राज्य सरकार मण्डल को कार्यालय व्यय, अधिकारियों-कर्मचारियों के वेतन-भत्ते और भर्ती परीक्षाओं के सफल संचालन के लिए आवश्यक बजट उपलब्ध कराएगी। सचिव की भूमिका- मण्डल के सचिव को 'आहरण एवं संवितरण अधिकारी' की शक्तियां दी गई हैं, जिससे वित्तीय कार्यों में तेजी आएगी।

बजट और ऑडिट की व्यवस्था

पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए अधिनियम में सख्त वित्तीय नियमों को शामिल किया गया है, मण्डल प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए आगामी वर्ष की अनुमानित प्राप्तियों और व्यय का बजट तैयार करेगा। मण्डल के खातों का प्रतिवर्ष निर्धारित रीति से ऑडिट किया जाएगा, ताकि आर्थिक पारदर्शिता बनी रहे।भर्ती प्रक्रियाओं में आएगी तेजीइस चयन मण्डल के अस्तित्व में आने से राज्य के विभिन्न विभागों में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के पदों पर भर्ती प्रक्रियाओं में तेजी आने की उम्मीद है। मण्डल एक स्वतंत्र निकाय के रूप में कार्य करेगा, जिससे परीक्षाओं के आयोजन और परिणाम घोषित करने की समय-सीमा में सुधार होगा।

खबर संक्षेप

जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के पदाधिकारियों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

रायपुर। जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने साढ़े तीन करोड़ छत्तीसगढ़िया जनमानस की भावनाओं के अनुरूप भारत सरकार जनगणना विभाग द्वारा जारी स्व जनगणना पोर्टल में मातृभाषा के कालम में छत्तीसगढ़ी भाषा का विकल्प शामिल करने कलेक्टर को ज्ञापन दिया । ज्ञात हो कि 28 नवंबर 2007 को 'छत्तीसगढ़ी भाषा को छत्तीसगढ़ शासन राजभाषा आयोग द्वारा राजभाषा का दर्जा प्रदान किया गया है। इस मौके पर पार्टी के पदाधिकारियों ने बतया कि भारत सरकार द्वारा वर्ष 2020 में भाषाई सर्वेक्षण करवाया गया है उसके अनुसार छत्तीसगढ़ में छत्तीसगढ़ी भाषा 65% से अधिक जनसंख्या द्वारा उपयोग किया जाता है जबकि इसी सर्वेक्षण में छत्तीसगढ़ राज्य के अंदर हिंदी भाषा बोलने बालों का प्रतिशत मात्र 2% है फिर भी जनगणना कार्य में छत्तीसगढ़ कि अधिकारिक छत्तीसगढ़ी भाषा की उपेक्षा की जा रही है।

107 किशोरियों को लगाया एचपीवी का निशुल्क टीका

रायपुर। सर्वाइकल कैंसर से होने वाली मौत को रोकने के लिए एम्स, जिला एवं आंबेडकर अस्पताल सहित तमाम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में निशुल्क एचपीवी की वैक्सीन लगाई जा रही है। निराश करने वाली बात यह है कि गंभीर बीमारी से बचाने वाली इस निशुल्क टीका के प्रति झिझक कम नहीं हो रही है। रायपुर जिले में 36 दिन के अभियान में केवल 107 किशोरियों को यह टीका लगाया गया है। केंद्र सरकार द्वारा यह टीका निशुल्क उपलब्ध कराया गया है जबकि प्रायवेट सेक्टर में इसके लिए डेढ़ से दो हजार रुपए खर्च करना पड़ता है। यह टीका 14 से 15 साल के बीच की आयु वाली किशोरियों को लगाया जा रहा है। अन्य जिलों के साथ रायपुर में इसकी शुरुआत 17 मार्च से की गई है। जिला अस्पताल के बाद इसकी सुविधा आंबेडकर अस्पताल, एम्स के साथ तमाम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में नियमित ओपीडी के दौरान दी जा रही है। इस वैक्सीन के प्रति लोगों को जागरुक करने में पर्याप्त सफलता नहीं मिल पाई है। जिले में अब तक केवल 107 लोगों को यह टीका लगाया जा सका है।

महतारी वंदन योजना की हितग्राही बनी दुग्ध व्यवसायी

रायपुर। महतारी वंदन योजना का लाभ ले रही एक महिला ने योजना की किस्त की मदद से दुग्ध व्यवसाय शुरू किया है। मंदिर हसौद के ग्राम पिपरहट्टा निवासी उषा बैस की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। महतारी वंदन योजना की किस्त मिलने से उसके जीवन में बदलाव आया। उसने दुग्ध का व्यवसाय शुरू किया, जिससे उसकी सालाना आय लगभग एक लाख रुपए तक पहुंच गई है। उषा को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता खोमेश्वरी साहू ने इस योजना के बारे में जानकारी दी और आवेदन के लिए प्रेरित किया। योजना के तहत नियमित रूप से मिलने वाली राशि को उषा ने खर्च करने के बजाय बचत के रूप में जमा करना शुरू किया।

मशीन एक, इसलिए हर साल टारगेट का 20 प्रतिशत भी विभाग नहीं कर पाता नए बोरवेल

477 ग्रामों के लिए एक बोरवेल मशीन, 8227 में 250 से अधिक सूखे, 100 से ज्यादा खराब

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

रायपुर जिले में इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है, जिसके कारण कई ग्रामों में भू-जल का स्तर काफी नीचे चला गया है। इसके कारण कई ग्रामों में स्थापित किए गए बोर तक सूख चुके हैं, जिसके कारण ग्रामवासी पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। एक ओर जहां भू-जल स्तर के नीचे चले जाने से लगातार बोर सूख रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जिला पंचायत रायपुर अंतर्गत 477 ग्रामों में बोरवेल खनन के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) के पास मात्र एक ही मशीन उपलब्ध है। इस मशीन के जरिए ही ग्रामीण क्षेत्रों में बोरवेल किया जाता है। जिन-जिन ग्रामों में बोरवेल सूख चुके हैं, वहां नए बोरवेल के लिए हर साल पीएचई विभाग को टारगेट भी दिया जाता है। इस टारगेट के एवज में विभाग 20 प्रतिशत भी नए बोरवेल करा नहीं पाता, जो ग्रामीण क्षेत्रों के लिए बड़ी समस्या बनी हुई है।

जल जीवन मिशन योजना के 175 ग्रामों में कार्य अपूर्ण

विभाग के आंकड़ों के अनुसार जल जीवन मिशन अंतर्गत रायपुर जिले के अभनपुर, आरंग, धरसींवा एवं तिल्दा ब्लॉक अंतर्गत कुल 477 ग्रामों में घर-घर नल कनेक्शन से पानी पहुंचाने का कार्य किए जा रहे हैं। इसके तहत 302 ग्रामों में कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं, वहीं 175 ग्रामों में अब तक कार्य अधूरे हैं। हालांकि विभाग के इन आकड़ों को जिला पंचायत रायपुर के वतन चंद्राकर सहित अन्य कुछ सदस्यों ने गलत बताया है। सदस्यों के अनुसार कार्य पूर्ण होने के बाद भी थोक में कई ग्रामों में पानी की सप्लाई शुरू नहीं हो पाई है, जिसके कारण वे गांव अभी भी प्यासे हैं।

256 सूख चुके हैंडपंप, नए लगे नहीं

जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक में पीएचई विभाग ने आकड़ा प्रस्तुत किया है। इसके तहत जिले के चारों ब्लॉक क्षेत्रों में कुल 477 ग्रामों में 8277 हैंडपंप स्थापित किए गए हैं। इनमें से वर्तमान में 7868 को चालू बताया गया है, जबकि 103 खराब तथा 256 सूख चुके हैं। इसके कारण इन हैंडपंपों का इस्तेमाल भी नहीं हो पा रहा है। इस तरह जिन ग्रामों में हैंडपंप सूख चुके हैं, वहां नए हैंडपंप लगाने के लिए बोरवेल किया जाना है। इसके लिए विभाग को टारगेट भी मिला है, लेकिन सूत्रों के अनुसार इस टारगेट के एवज में अभी तक कुछेक जगह ही नए बोरवेल किए गए हैं, जिसके कारण उन ग्रामों में पानी की समस्या गंभीर बनी हुई है। इधर सूत्रों से यह भी जानकारी मिली है कि खराब पड़े हैंडपंपों को सुधारने के कार्य भी अटके हुए हैं। भीषण गर्मी के बावजूद इन हैंडपंपों को सुधारने के लिए अब तक कोई पहल नहीं की गई है। बताया जा रहा है कि फंड नहीं होने के कारण हैंडपंपों को सुधारा नहीं जा रहा है। हालांकि इस मामले में विभागीय अधिकारियों द्वारा यही दावा किया जाता है कि खराब हैंडपंपों को लगातार सुधारा जा रहा है।

पिछले वर्ष 100 का मिला टारगेट, 20 भी नलकूप खनन नहीं कर पाया विभाग

पीएचई विभाग को वर्ष 2025 में गर्मी का सीजन शुरू होने से पूर्व तक 100 नलकूप खनन का टारगेट दिया गया था। इसकी तुलना में 20 नए नलकूप खनन भी नहीं कर पाया था। इसे लेकर जिला पंचायत सदस्यों ने गहरी नाराजगी भी जताई थी।

पानी का नमूना जांचे बगैर खोद दिया कुंआ

नलकूप खनन करने के पहले पानी का नमूना जांचा जा रहा है या नहीं, इसे लेकर भी कई ग्राम में शिकायत आ रही है, क्योंकि नलकूप खनन के बाद कुछ ग्रामों से शिकायत आई थी कि पानी पीने योग्य नहीं है। धरसींवा क्षेत्र के चरौदा से आई इस शिकायत की जांच भी कराई गई है। हालांकि अफसरों ने जांच में पानी को पीने योग्य बताया है। इधर तिल्दा के देवगांव में भी पानी का नमूना जांचे बिना ही एक कुंआ खोद दिया गया था, जिसकी शिकायत मिलने पर अफसरों ने कुंआ के पानी को क्लोरिनेशन कराना पड़ा। इस कुंए के पानी को अब पीने योग्य बताया गया है।

ज्ञानभारतम् सर्वे 31 मई तक हर हाल में पूरा करें

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

मुख्य सचिव विकासशील ने कहा, शासकीय संस्थानों, मंदिरों, मठों, पुस्तकालयों, महाविद्यालयों एवं निजी संस्थानों में संरक्षित पांडुलिपियों के सर्वेक्षण के लिए सक्रिय प्रयास करें। उन्होंने कहा, परंपरागत समुदायों और पुरातात्विक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण पांडुलिपियां और ज्ञान-संपदा मिल सकती है, इसलिए इन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने जनभागीदारी बढ़ाने के लिए "पांडुलिपि ट्रेजर हंट" जैसे नवाचारों के आयोजन का सुझाव दिया गया, जिससे आम नागरिक भी इस अभियान से जुड़ सकें।

मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रालय 'ज्ञानभारतम्' राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वेक्षण अभियान समिति के सदस्य तथा सभी जिलों के कलेक्टर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। इस दौरान अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सर्वेक्षण कार्य 31 मई तक हर हाल में पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा, यह सर्वे केवल प्रशासनिक कार्य नहीं, बल्कि राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्राचीन ज्ञान परंपरा के संरक्षण का महत्वपूर्ण अभियान है। जिलों में उपलब्ध पांडुलिपियों की पहचान, दस्तावेजीकरण, डिजिटलीकरण और संरक्षण को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए है।

प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र देकर प्रोत्साहित करें

बैठक में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित करने तथा स्थानीय पत्रकारों, साहित्यकारों, इतिहासकारों और जनप्रतिनिधियों को अभियान से जोड़ने पर बल दिया गया। यह अभियान पूरे देश के लिए ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण और उसे आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सर्वेक्षण कार्य के दौरान पांडुलिपियों के स्वामित्व अधिकारों का सम्मान, बिना अनुमति स्थानांतरण न करने और सभी गतिविधियों में पारदर्शिता बनाए रखने पर जोर दिया गया।

शासकीय सेवक किसी भी राजनीतिक दल के सदस्य नहीं बन सकेंगे

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने सभी शासकीय सेवकों के लिए आचरण नियमों के पालन को लेकर स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। जारी निर्देशों में कहा गया है कि छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के तहत प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी को अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्पक्षता, ईमानदारी और निष्ठा के साथ करना अनिवार्य है।

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि कोई भी शासकीय सेवक किसी राजनीतिक दल या संगठन का सक्रिय सदस्य नहीं बन सकता और न ही किसी प्रकार की राजनीतिक गतिविधि में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भाग ले सकता है। इसके अलावा, बिना सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के किसी भी शासकीय या अशासकीय संस्था, समिति, संगठन या निकाय में कोई पद धारण करना भी प्रतिबंधित है। निर्देशों में यह भी कहा गया है कि कोई भी कर्मचारी ऐसा कोई दायित्व स्वीकार नहीं करेगा, जिससे उसके शासकीय कार्य प्रभावित हों। प्रशासन का मानना है कि इन नियमों का पालन सुनिश्चित करना सुशासन और प्रशासनिक पारदर्शिता बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

नियमों का उल्लंघन करने पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई

सभी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि वे इन प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। यदि किसी भी स्तर पर नियमों का उल्लंघन पाया जाता है, तो संबंधित कर्मचारी के खिलाफ छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम और छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम के तहत सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। सरकार के इस कदम को प्रशासनिक अनुशासन और निष्पक्षता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

शासकीय संगठनों राजनैतिक दलों पर रोक क्या आरएसएस पर भी लागू होगी : कांग्रेस

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने एक परिपत्र जारी किया है, इसके अनुसार कोई भी शासकीय कर्मचारी किसी राजनैतिक दल या संस्था का सदस्य नहीं हो सकता, किसी भी गतिविधियों में भाग नहीं ले सकता है, उसमें पदाधिकारी नहीं बन सकता। यह नियम पूरे देश में पहले से लागू है, इस नियम का कांग्रेस स्वागत करती है। उन्होंने कहा, एक सवाल खड़ा होता है कि क्या यह नियम आरएसएस पर भी लागू होगा ? या फिर इस नियम के अनुसार चिन्हांकित कर ही कार्रवाई की जाएगी?

30 को विधानसभा का विशेष सत्र, विपक्ष ने कहा- एक नहीं, दो दिन का बुलाएं

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर विपक्ष के खिलाफ लाया जाएगा निंदा प्रस्ताव : साव

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लोकसभा से पारित नहीं हो पाने पर विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाने 30 अप्रैल को छत्तीसगढ़ विधानसभा का विशेष सत्र आहूत किया जा रहा है। विशेष सत्र की जानकारी देते हुए उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बताया कि सरकार की ओर से 30 अप्रैल को विशेष सत्र आयोजित करने का आग्रह हुआ। विधानसभा अध्यक्ष तय करेंगे कि कितने दिन का सत्र होगा। इधर नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा, अगर सरकार झूठ को सच साबित करने के लिए सत्र बुला रही है, तो एक दिन के बजाय दो दिन का सत्र बुला ले।

डिप्टी सीएम ने कहा, कांग्रेस और विपक्षी दलों ने आधी आबादी को उनके संवैधानिक अधिकार से वंचित करने का काम किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट किया है कि उनके अधिकार दिलाने तक संघर्ष जारी रहेगा। वहीं कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आतंकवादी कहे जाने पर उप मुख्यमंत्री साव ने कहा, कांग्रेस घटिया और निम्न स्तर की राजनीति कर रही है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष का इस तरह की भाषा का उपयोग करना दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। उन्होंने कहा, यह सिर्फ प्रधानमंत्री का नहीं, बल्कि देश के 140 करोड़ लोगों का अपमान है। कांग्रेस अपनी गिरती हुई राजनीति का परिचय दे रही है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने देश में आतंकवाद, अलगाववाद और नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ी और आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब दिया। ऐसे प्रधानमंत्री के लिए इस तरह की भाषा का इस्तेमाल कांग्रेस के राजनीतिक पतन और घटियापन को दर्शाता है।

विशेष सत्र बुलाने के फैसले पर महंत ने उठाए सवाल

छत्तीसगढ़ में विधानसभा के प्रस्तावित विशेष सत्र को लेकर नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने सत्र बुलाने के फैसले पर सवाल उठाते हुए सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, विधानसभा का विशेष सत्र प्रदेश के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए बुलाया जाता है, लेकिन इस बार केंद्र के दबाव में केवल निंदा प्रस्ताव पारित कराने के उद्देश्य से सत्र बुलाया जा रहा है। हमने तो गांधी जयंती पर विशेष सत्र बुलाया था। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में पहली बार सुना है कि केवल निंदा प्रस्ताव के लिए विशेष सत्र बुलाया जा रहा है। डॉ. महंत ने यह भी कहा कि अगर सरकार झूठ को सच साबित करने के लिए सत्र बुला रही है, तो एक दिन के बजाय दो दिन का सत्र बुला ले। उन्होंने कहा, पहले दिन आप निंदा कर लीजिए, गालियां दे दीजिए और दूसरे दिन हमें भी अपनी बात रखने का मौका दीजिए।

33 प्रतिशत बीजेपी सांसदों, प्रधानमंत्री को पत्र लिखे : उपाध्याय

महिला आरक्षण को लेकर बीजेपी सांसदों को उपाध्याय ने लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

पूर्व संसदीय सचिव एवं विकास उपाध्याय के नेतृत्व में बुधवार को महिला आरक्षण बिल को लेकर डॉ. भीमराव आंबेडकर चौक कलेक्टोरेट परिसर के सामने महिला विरोधी भाजपा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। उन्होंने कहा, महिला आरक्षण बिल का नाम देकर देश में गलत तरीके से परिसीमन को दूसरे दरवाजे से लागू कराने के लिये इसे सदन में लाने का काम किया गया था, जिसे कांग्रेस पार्टी सहित सभी विपक्षी दलों ने एकजुट होकर धराशायी कर दिया। छत्तीसगढ़ के पूर्व एवं वर्तमान भारतीय जनता पार्टी के सांसदों को पत्र के माध्यम से अवगत कराया गया कि वर्ष 2023, 20 सितम्बर को जब लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पारित हुआ था, उस समय आप सांसद थे और सदन का हिस्सा थे। आपकी पार्टी द्वारा झूठ फैलाया जा रहा है कि कांग्रेस पार्टी सहित विपक्षी दलों ने महिला आरक्षण बिल का विरोध किया है,

जबकि 20 सितम्बर को लोकसभा में जब महिला आरक्षण बिल को लाया गया था, तब सर्वसम्मति से पक्ष और विपक्ष ने एकसाथ मिलकर इसे समर्थन देते हुए इस विधेयक को पारित किया था।

छत्तीसगढ़ की जनता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन सहित भारतीय जनता पार्टी के अपने समस्त नेताओं को रामचरित मानस और संविधान की कसम खाते हुये इस विषय से अवगत कराएं और पत्र और विडियो के माध्यम से जनता को सच्चाई बताने का कष्ट करें कि महिला आरक्षण बिल को 2023 में सभी दलों की सर्वसम्मति से पारित किया जा चुका है। इसके लिए सभी भाजपा सांसदों को वर्तमान की 543 सीट पर 33 प्रतिशत महिला आरक्षण बिल पारित करने के लिए प्रधानमंत्री को पत्र लिखने की मांग की है।

साय ने कांग्रेस अध्यक्ष के बयान पर कहा- प्रधानमंत्री के प्रति अपमानजनक टिप्पणी लोकतंत्र पर आघात

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए प्रयुक्त अपमानजनक शब्दों को लेकर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा, खड़गे द्वारा की गई टिप्पणी न केवल स्तरहीन, अपमानजनक, अमर्यादित और अशिष्ट है, बल्कि यह देश के उन करोड़ों नागरिकों का भी सीधा अपमान है, जो प्रधानमंत्री को अपना आदर्श मानते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, लोकतांत्रिक व्यवस्था में इस प्रकार की अमर्यादित भाषा का प्रयोग निंदनीय है और यह स्वस्थ राजनीतिक संवाद की मर्यादाओं को ठेस पहुंचाता है। उन्होंने इसे लोकतंत्र की गरिमा पर गहरा आघात बताते हुए कहा कि सार्वजनिक जीवन में इस तरह के बयान लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत हैं और इनकी जितनी भर्त्सना की जाए, वह कम है। कांग्रेस पार्टी की यह बौखलाहट उसके राजनीतिक पतन का स्पष्ट संकेत है।

■ कांग्रेस पार्टी की यह बौखलाहट उसके राजनीतिक पतन का स्पष्ट संकेत- मुख्यमंत्री

बिना शर्त देश की जनता से मांगें माफी

उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस पार्टी से मांग की है कि वे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा देश की जनता से बिना शर्त सार्वजनिक रूप से माफी मांगें, जहां मुद्दों की जगह व्यक्तिगत आक्षेप और अमर्यादित भाषा ने ले ली है। लोकतंत्र में ऐसी मानसिकता न केवल अस्वीकार्य है, बल्कि जनभावनाओं का अपमान भी है, कांग्रेस को तुरंत आत्ममंथन करते हुए बिना शर्त सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए।

खबर संक्षेप

बस की टक्कर से बाइक चालक को लगी चोट

महासमुंद। तीन महीने पहले हुए एक्सीडेंट के मामले में एक व्यक्ति ने बस चालक के खिलाफ बागबाहरा थाने में रिपोर्ट लिखाई है। बागबाहरा पुलिस को प्रार्थी राजेश कुमार यादव पिता मनीराम यादव (30 साल) निवासी वार्ड नंबर10 नवागांव थाना बागबाहरा ने बताया कि 02/01/2026 को रात लगभग 8 बजे वह सब्जी मंडी से अपनी टीवीएस मोटरसायकल क्रमांक सीजी 06 जीजेड 9578 से बागबाहरा की ओर आ रहा था। उसी समय बडा पंडा बस क्रमांक ओडी 26 जी 9244 के चालक द्वारा अपने वाहन को तेज एवं लापरवाही पूर्व चलाते हुए ठोकर मार दिया, घटना में उसके पैर व शरीर के अन्य भागों में चोट लगी। प्रार्थी ने इलाज कराकर आने के बाद आरोपी वाहन चालक के विरूद्ध बागबाहरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। मामले की रिपोर्ट पर धारा 281, 125(ए) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मंदिर के पास से बाइक चोरी

महासमुंद। ग्राम बिरकोनी के चंडी मंदिर के पास से बाइक चोरी के मामले में अज्ञात आरोपी के विरूद्ध जुर्म दर्ज किया गया है। कोतवाली पुलिस को खरोरा निवासी शुभम चंद्राकर ने बताया कि 19 अप्रैल को अपनी बहन की शादी समारोह में बिरकोनी (चंडी मंदिर) आया था और मैं अपनी गाड़ी को मंदिर बिरकोनी के प्रांगण के सामने खड़ी किया था। जिसे किसी अज्ञात चोर ने चोरी कर लिया। मामले की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध जुर्म दर्ज किया गया है।

पिकअप से 9 बैल बरामद

महासमुंद। पिकअप बैलों को क्रूरतापूर्वक लोड कर आरंग से ओडिशा की ओर ले जा रहे तीन आरोपियों के विरूद्ध कोतवाली थाने में जुर्म दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि मुखबीर सूचना मिली कि एक सफेद रंग की पिकअप वाहन क्र. सीजी 04 क्यूएम 7566 में अवैध रूप से कृषक पशु लोड कर आरंग से महासमुंद की ओर से कत्लखाना ओड़ीशा की ओर ले जाया जा रहा है। इसके बाद पुलिस ने साराडीह मोड़ एनएच 353 पहुंचकर घोड़ारी की ओर से आ रहे उक्त वाहन को रूकवाया। जिसके चालक ने अपना नाम कुलेश्वर पटेल पिता गणेशु पटेल (23 साल) निवासी नांदगांव थाना व जिला महासमुंद का रहने वाला बताया। तलाशी के दौरान वाहन से 9 नग बैलों को बरामद किया गया। मामले आरोपी कुलेश्वर पटेल के खिलाफ धारा 4, 6,10 छग कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 एवं 11 घ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। वहीं दो अन्य आरोपी घनश्याम बंजारे निवासी नांदगांव थाना महासमुंद और कोमल सोनवानी निवासी ओंडका भिलाई फरार हो गए, जिनकी तलाश की जा रही है।

गांजा तस्करी 15-15 वर्ष का कठोर कारावास

महासमुंद। जिले में गांजा तस्करी के एक मामले में न्यायालय ने दो आरोपियों को 15-15 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही दोनों पर 1-1 लाख रुपए का अर्थदंड भी लगाया गया है। यह फैसला सिंघोड़ा थाना क्षेत्र में दर्ज 23 किलो गांजा तस्करी के मामले में आया है। जानकारी के अनुसार, सिंघोड़ा पुलिस ने इस मामले में से लगभग 23 किलो अवैध गांजा बरामद कर आरोपियों को गिरफ्तार कर आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया था। न्यायालय में सुनवाई के दौरान प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर दोनों आरोपियों को दोषी पाया गया।

7 कुंडीय बगुलामुखी अखंड मंत्र आहुति अनुष्ठान का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बसना

गुरुसत्ता आध्यत्मिक तंत्र ज्योतिष वेलफेयर सोसाइटी के प्रबंध संचालक डॉ आनंद मतावले के सानिध्य में ग्राम एमकेबाहरा (भीमखोज-खल्लारी) विकासखंड बागबाहरा में 7 कुंडीय बगुलामुखी अखंड (24 घंटे) मंत्र आहुति अनुष्ठान का शुभारंभ किया गया। इसके पूर्व गुरुजी का साधकों द्वारा पूजा अर्चना कर जयकारे के साथ स्वागत किया गया। तत्पश्चात साधकों, ग्रामवासी व माताओं द्वारा भव्य जल कलश यात्रा (शोभायात्रा) के साथ ग्राम भ्रमण किया गया। इस दौरान माताओ ने श्रीफल भेंटकर आत्मीय स्वागत किया। चौक चौराहों में आतिश बाजी व लोक पारम्परिक रावत नाचा के साथ स्वागत किया गया। शोभायात्रा के बाद गुरु पादुका पूजन, वेदी स्थापना पूजन कर विधिवत मां भगवती बगुलामुखी की प्रतिमा व यंत्र पूजा अर्चना कर अखंड मंत्र आहुति का शुभारंभ शुभ मुहूर्त में किया गया।

गुरुजी ने कहा कि अपने संकल्प पूरा करने साधक को हमेशा तत्पर रहना चाहिए। अखंड मंत्र आहुति का महापूर्णाहुति बगुलामुखी प्राकट्य दिवस पर इसी समय में 24 घंटे पश्चात होगी। इस दौरान इच्छुक साधकों को मन्त्र दीक्षा व विशेष मंत्र दीक्षा भी प्रदान किया जाएगा।

ज्ञानभारतम पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए समीक्षा बैठक आयोजित

महासमुंद। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा संचालित ज्ञानभारतम पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में 22 अप्रैल को मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने बताया कि राज्य में सर्वाधिक पांडुलिपि सर्वेक्षण महासमुन्द जिले में किया गया है। इस पर उन्होंने कलेक्टर विनय कुमार लंगेह से विस्तृत जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि व्यक्तिगत रूप से संरक्षित पांडुलिपियों का सर्वे और अधिक बढ़ाया जाए। कलेक्टर लंगेह ने जिले में अभियान की प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि अब तक जिले के छह प्रमुख स्थलों का सफलतापूर्वक सर्वेक्षण पूर्ण किया जा चुका है। साथ ही पूर्व में सर्वेक्षित कुल 832 पांडुलिपियों को ज्ञानभारतम ऐप पर अपलोड किया जा रहा है, जो जिले के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। कलेक्टर ने बताया कि अभियान के सुचारू संचालन के लिए जिला एवं अनुभाग स्तरीय समितियों का गठन किया जा चुका है। साथ ही सुपरवाइजर्स एवं सर्वेक्षकों का ऑनलाइन प्रशिक्षण का प्रथम चरण सफलतापूर्वक पूर्ण हो चुका है, जिससे सर्वेक्षण कार्य में गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित हो रही है। उन्होंने बताया कि अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों एवं वालंटियर्स को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। ताकि, अन्य लोग भी प्रेरित हों। जिले में इस कार्य के लिए 50 सर्वेक्षकों की नियुक्ति कर उन्हें प्रशिक्षित किया गया है। बैठक में अपर कलेक्टर रवि कुमार साहू, नोडल अधिकारी एवं जिला मिशन समन्वयक रेखराज शर्मा, डॉ. करुणा दुबे प्राचार्य महाविद्यालय, प्रमोद कन्नौजे एडीपीओ एवं सुबोध कुमार तिवारी एपीसी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी के घर, संस्था या पुस्तकालय में पांडुलिपियां उपलब्ध हों, तो उनकी जानकारी ज्ञानभारतम ऐप के माध्यम से अवश्य साझा करें।

एसडीएम ने किया शासकीय उचित मूल्य दुकानों का औचक निरीक्षण

समय सीमा में खाद्यान्न वितरण पूर्ण करने दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बागबाहरा नमिता मारकोले एवं खाद्य निरीक्षक बागबाहरा द्वारा क्षेत्र की शासकीय उचित मूल्य दुकानों का औचक निरीक्षण किया गया। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशन में निरीक्षण के दौरान दुकानों

में खाद्यान्न वितरण की स्थिति, स्टॉक पंजी, वितरण रजिस्टर सहित अन्य अभिलेखों की जांच की गई।

अधिकारियों ने विक्रेताओं को निर्देशित किया कि वे अप्रैल से जून 2026 तक के 3 माह का खाद्यान्न वितरण कार्य निर्धारित समय-सीमा में शीघ्र पूर्ण करें, ताकि हितग्राहियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही सभी आवश्यक पंजी अद्यतन एवं सुव्यवस्थित रूप से संधारित रखने के निर्देश भी दिए गए।

उन्होंने कहा कि खाद्यान्न वितरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता पाए जाने पर संबंधित विक्रेता के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

मंदिर परिसर और घर से बाइक चोरी

महासमुंद। जिले के महासमुंद और बसना थाना अंर्तगत दो अलग-अलग मामलों में बाइक चोरी का मामला सामने आया है। पुलिस ने दोनों ही मामलों में अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है। जानकारी के अनुसार ग्रम खरोरा निवासी शुभम चंद्राकर ने कोतवाली में शिकायत की है कि 19 अप्रैल को वह अपनी बहन की शादी में शामिल होने बाइक क्रमांक सीजी 04 एल वाय 4466 से बिरकोनी चण्डी मंदिर गया था और बाइक चण्डी मंदिर बिरकोनी प्रांगण के सामने खड़ी किया था। दोपहर तक बाइक यथास्थान पर थी पर, रात में वहाँ नहीं थी। दोपहर 02 से 07 बजे के आसपास अज्ञात ने पार कर दी। इसी तरह बसना थाना अंर्तगत ग्राम सिरको निवासी जन्मजय निषाद ने थाने में शिकायत की है कि बीते 19 अप्रैल को वह अपनी बाइक सीजी 06 जी बी 6098 को घर के बाहर बरामदा में खड़ी किया था, रात में अस्पताल चला गया। दूसरे दिन अस्पताल से लौटा तो बाइक नहीं थी। पुलिस ने दोनों ही मामलो में बीएनएस की धारा 303(2) तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है।

बेलसोंडा में अक्ती पर्व पर पारंपरिक गुड्डा-गुड़िया विवाह में शामिल हुई जनपद उपाध्यक्ष हुलसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

छत्तीसगढ़ के गौरवशाली लोक-पर्व अक्षय तृतीया (अक्ती) पर ग्राम बेलसोंडा में पारंपरिक रीति-रिवाजों की अनुपम छटा बिखरी, जहाँ महासमुंद जनपद पंचायत की उपाध्यक्ष हुलसी जितेंद्र चंद्राकर ने ग्रामीणों और बच्चों के बीच पहुंचकर पुतरा-पुतरी (गुड्डा-गुड़िया) के विवाह उत्सव में उत्साहपूर्वक शिरकत की। चंद्राकर इस आयोजन में एक आत्मीय सदस्य के रूप में शामिल हुईं और उन्होंने विवाह की विभिन्न रस्मों का अवलोकन करते हुए बच्चों का उत्साह बढ़ाया। गांव की गलियों में जब पारंपरिक बाजों के साथ गुड्डे की बारात निकली, तब चंद्राकर ने भी बारात के स्वागत और उत्सव की खुशियों में शामिल होकर छत्तीसगढ़ी संस्कृति के प्रति अपनी गहरी आस्था प्रकट की। यह पर्व किसानों के लिए भी विशेष महत्व रखता है, जिसमें हुलसी जितेंद्र ने अन्नदाताओं के साथ मिलकर नए कृषि वर्ष की सुखद शुरुआत की कामना की और इस बात पर जोर दिया कि अक्ती का यह पर्व हमारी कृषि आधारित संस्कृति और मिट्टी से जुड़ाव का सबसे बड़ा आधार है। जनपद उपाध्यक्ष ने ग्रामीणों के इस प्रयास की सराहना करते कहा कि बच्चों के साथ इस तरह के आयोजनों में शामिल होने से हमारी प्राचीन परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में बल मिलता है।

बिजली समस्या को लेकर किसानों ने फिर सौंपा ज्ञापनः अंकित

बागबाहरा क्षेत्र के अनेक गांवों में रोज रात एक से सुबह 7 बजे तक कर रहे कटौती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

कांग्रेस नेता अंकित बागबाहरा ने बताया कि विगत दिनों उनके द्वारा लो-वोल्टेज को लेकर बागबाहरा में ज्ञापन दिया था। इसी के बाद कोमाखान विद्युत डिवीज़न में मनमानी और अनियंत्रित बिजली कटौती से परेशान हो कुसमी और साल्हेभाँटा, टेमरी, करहीडीह, खट्टा, चंदरपुर के किसानों ने अंकित बागबाहरा के मार्गदर्शन में एई विद्युत विभाग कोमाखान को ज्ञापन सौंप अपनी समस्या से अवगत कराया।

अंकित ने बताया कि किसानों के अनुसार रोज विगत कई दिनों से खेती के पंप की

बिजली अघोषित रूप से रात को 1 बजे से सुबह के सात या 9 बजे तक बंद कर दी जाती है। जिससे उनकी गर्मी की फसल को पानी के अभाव में बहुत नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।

किसानों का कहना है कि शहरों में मुख्यमंत्री, मंत्री, अधिकारियों के यहां लगातार बिजली उपलब्ध है, जिसका पैसा भी उन्हें नहीं पटाना है। दूसरी तरफ़ किसान जिसके भरोसे पूरी ग्रामीण अर्थव्यवस्था जुड़ी है वो आज भारी धोखे में हैं और भाजपा सरकार में ख़ुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। किसानों ने अंकित से चर्चा करने के बाद अपनी समस्या से बिजली विभाग को अवगत कराया और मांग की कि यदि ये समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आगे जाकर सभी किसान उग्र प्रदर्शन करने से भी नहीं चूकेंगे। ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से डिगेश्वर देवांगन, जागेश्वर सिन्हा, सेवन देवांगन, ओमप्रकाश पटेल, नंद कुमार, दलप निषाद, देवकुमार चंद्राकर, हीरा सिंग आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

अधिवक्ता विवेकानंद भोई ने सरायपाली समेत जिले का बढ़ाया मान

सरायपाली। महासमुंद जिले के सरायपाली के ग्राम अर्जुंडा निवासी विवेकानंद भोई ने अंचल समेत महासमुंद जिले का गौरव बढ़ाया है। छत्तीसगढ़ राज्य विधिज्ञ परिषद के सदस्य निर्वाचित होने के बाद उन्हें सर्वसम्मति से परिषद में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई है। भोई को राज्य विधिज्ञ परिषद में अनुशासन समिति अध्यक्ष, लेजिस्लेशन एवं रिफार्म समिति के अध्यक्ष, न्यासी उपसमिति के सदस्य, अधिवक्ता कल्याण समिति (बार काउंसिल ऑफ इंडिया) के सदस्य, राज्य अधिवक्ता कल्याण समिति के सदस्य, वित्त समिति के सदस्य, अपील समिति के सदस्य, विधिक सहायता समिति के सदस्य और नियम निर्माण समिति के सदस्य का दायित्व सौंपा गया है। विवेकानंद भोई को राज्य विधिज्ञ परिषद में एक साथ इतने दायित्व मिलने पर अंचल के अधिवक्ताओं, समाज प्रमुखों, बुद्धिजीवियों, परिजनों और इष्ट मित्रों ने प्रसन्नता जताई है। गौरतलब है कि सरायपाली के ग्राम अर्जुंडा में एक शिक्षक परिवार में जन्मे विवेकानंद भोई ने एलएलबी की पढ़ाई के बाद रायपुर जिला न्यायालय में करीब 35 साल पूर्व अधिवक्ता स्व. लक्ष्मण जयदेव सतपथी के सानिध्य में वकालत की शुरुआत की थी। भोई आज रायपुर, महासमुंद, दुर्ग समेत पूरे प्रदेश में एक अच्छे अधिवक्ता के रूप में अपनी पहचान बना चुके हैं। वे निरंतर पक्षकारों, समाज में पीड़ितों व अधिवक्ता हितों के लिए आवाज बुलंद करते रहे हैं। उन्होंने मिली जिम्मेदारियों को ईमानदारी से कुशलतापूर्वक निभाने की बात कही है।

गंगरेल बांध के पानी से भरे गए 60 तालाब, 150 में जा रहा पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धमतरी

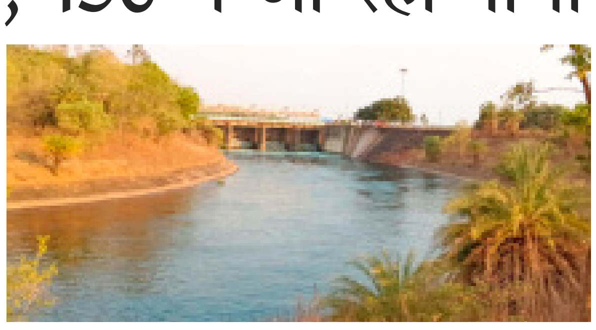

गंगरेल बांध के पानी से जिले के 50 गांवों के 60 तालाबों को भरा जा चुका है। 150 तालाबों में पानी जा रहा है। इसके बाद बाकी बचे 215 तालाबों को भरा जाएगा। इन तालाबों को भरने के लिए रूद्री बरॉज से 3900 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है।

गर्मी शुरू होते ही गांव से लेकर शहरों तक पानी संकट की स्थिति बनी हुई है। इस स्थिति से निबटने के लिए गंगरेल बांध के पानी से तालाबों को भरा जा रहा है। जानकारी के अनुसार जिले के कुल 425 तालाबों को नहर के माध्यम से भरा जाना है। धमतरी जिले के अतिरिक्त रायपुर, अभनपुर, भाटापारा, बलौदाबाजार सहित अन्य क्षेत्र के तालाबों को भी नहर के माध्यम से भरा जाना है। इसके लिए 1 अप्रैल से नहर में पानी छोड़ना शुरू कर दिया गया है। नहर में पानी की मात्रा धीरे बढ़ाते हुए 3900 क्यूसेक कर दी गई है। पानी की इतनी बड़ी मात्रा छोड़े जाने से तालाबों के भरने की रफ्तार भी बढ़ गई है। अब तक जिले के 50 गांव के 60 तालाबों को भरा जा चुका है। 150 तालाबों में पानी जा रहा है। इसके बाद बाकी तालाबों को भी भरा जाएगा। तालाबों को भरने के लिए 15 मई तक पानी नहर में छोड़ा जाएगा। गर्मी बढ़ने के साथ जिले का भू-जलस्तर तेजी से नीचे जाने लगा है। वर्तमान स्थिति में जलस्तर 1 मीटर से ज्यादा गिर गया है। नहर के माध्यम से गांवों के तालाब भरे जा रहे हैं। ये तालाब भू-जल रिचार्ज के अच्छे सोर्स है। जिससे उम्मीद की जा रही है कि भू-जलस्तर में सुधार होगा।

खूब पढ़ें और आगे बढ़ें, जीवन में शिक्षा जरूरीः ऐतराम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोमाखान

कर्मा पब्लिक स्कूल कोमाखान में वार्षिकोत्सव का आयोजन स्कूल प्रांगण में किया गया। इस अवसर पर स्कूल के होनहार मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र के अलावा शील्ड देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष ऐतराम साहू थे। इस अवसर पर मंच पर आने के बाद मुख्य अतिथि का प्राचार्य, उपप्राचार्य के अलावा मैनेजिंग डायरेक्टर मोहन साहू व जान्हवी साहू ने आत्मीय स्वागत किया। पश्चात पूरे स्कूल स्टाफ ने बारी-बारी से मुख्य अतिथि का स्वागत किया। इसके बाद मुख्य अतिथि साहू ने अगरबती व दीप प्रज्वलित कर वार्षिकोत्सव का शुभारंभ किया। शुभारंभ अवसर पर साहू ने बच्चों व शिक्षकों को संबोधित कर कहा कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए मेहनत व निष्ठा से किये गये कार्य में एक दिन सफलता जरूर मिलती है।

उन्होंने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा है कि खूब पढ़ने व निरंतर आगे बढ़ने का सतत प्रयास कर अपना नाम रोशन करें। क्योंकि जीवन में शिक्षा जरूरी है। शिक्षित होंगे तो कुछ बन सकेंगे। इसके बाद मुख्य अतिथि ने स्कूल के सारे बच्चों को प्रमाण पत्र व शील्ड देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर स्कूल डायरेक्टर मोहन साहू, जान्हवी साहू के अलावा पुष्पलता ठाकुर, रेणुका देवांगन, दिव्या भारती उपाध्याय, तारा निर्मलकर, हेमिन भारती, ईशा चन्द्राकर, अर्चना साहू, खुशबू ठाकुर, जया यादव, जय नंदिनी साहू, ममता पाडे, किशन विश्वकर्मा, धनीराम मरकाम, चित्रकला साहू, तनूजा चंद्राकर आदि शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं अभिभावकों के साथ ग्रामीण भी उपस्थित थे। अंत में स्कूल के ओर से डायरेक्टर मोहन साहू, जान्हवी साहू ने अतिथि के प्रति आभार व्यक्त किया।

नाटक में दिया नशामुक्ति का संदेश

वार्षिकोत्सव पर बच्चों ने मुख्य अतिथि के स्वागत में गीत नृत्य प्रस्तुत किया। पश्चात बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में सुआ, कर्मा, नृत्य के अलावा नशा मुक्ति का संदेश देने नाटक का भी मंचन किया। जिसे सभी ने सराहा। संचालन दिव्या उपाध्याय एवं तनूजा चंद्राकर ने संयुक्त रूप से किया।

मामला अतिक्रमण का प्रभावित लोगों ने सरपंच के खिलाफ खोला मोर्चा

मुरा सरपंच के खिलाफ कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धमतरी

कुरूद ब्लाक के ग्राम पंचायत मुरा में एक अनोखा घटनाक्रम सामने आया है। गांव में सरपंच सहित अन्य लोगों ने अतिक्रमण किया था। सरपंच के अतिक्रमण को छोड़कर 9 लोगों का अवैध कब्जा हटाया गया। अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई से बिफरे प्रभावित लोगों ने सरपंच के खिलाफ धारा 40 के तहत कार्रवाई कर पदमुक्त करने का आवेदन कलेक्टर को सौंपा है।

ग्राम मुरा के ग्रामीण खुमनलाल साहू, रामचंद्र, देवांगन, महावीर, चंद्रहास ने बताया कि कुछ साल पहले ग्राम विकास समिति ने आबादी जमीन का पट्टा देने के नाम पर 50 हजार रुपये लिया था। जरुरतमंद लोगों ने पैसे देकर जमीन पर कब्जा किया जिसमें वर्तमान सरपंच भी शामिल था। आबादी जमीन के लिए पट्टा का वितरण तो नहीं हुआ लेकिन वर्तमान सरपंच ने अपना अतिक्रमण बचाकर दूसरों के अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई कर दी। पीड़ित लोगों ने कलेक्टर को आवेदन कर कहा है कि ग्राम मुरा की शासकीय भूमि खसरा नंबर 850 एवं 852 के रकबा दो डिसमिल में अवैध रूप से मकान निर्माण कराया गया है। अवैध अतिक्रमण करने के मामले में सरपंच को पद पर बने रहने का अधिकार नहीं है। सन 2018-19 में सरपंच ने न्यायालय नायब तहसीलदार कुरूद में शपथपूर्वक अतिक्रमण करना स्वीकार किया है। पंचायतराज अधिनियम के तहत सरपंच अवैध अतिक्रमण नहीं कर सकता। ग्रामीणों ने कलेक्टर से मांग की है कि अवैध अतिक्रमण करने वाले सरपंच को धारा 40 के तहत पदमुक्त किया जाए।

खबर संक्षेप

निःशुल्क प्रशिक्षण के लिए 30 तक कर सकते हैं पंजीयन

महासमुंद। भारतीय सेना में अग्निवीर के विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए 10 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किया गया था। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि ऐसे आवेदकों के लिए रोजगार कार्यालय द्वारा लिखित परीक्षा के पूर्व निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान करने की व्यवस्था की गई है। जिसमें विषय विशेषज्ञों द्वारा निःशुल्क कोचिंग दी जाएगी। यह निःशुल्क प्रशिक्षण 04 मई से प्रारंभ होकर 4 जून 2026 तक चलेगा।

जिले में जनगणना कार्य के लिए नियोजित सभी अधिकारी-कर्मचारी के अवकाश पर प्रतिबंध

महासमुंद। भारत सरकार गृह मंत्रालय, जनगणना कार्य निदेशालय छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य 01 मई 2026 से 30 मई 2026 तक किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य को सुचारू एवं समयबद्ध ढंग से संपन्न कराने के लिए कलेक्टर एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी विनय कुमार लंगेह द्वारा अधिकारी एवं कर्मचारियों के अवकाश पर प्रतिबंध आदेश जारी किया हैं। जारी आदेश के अनुसार जनगणना कार्य में लगे जिले के सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों के अवकाश पर प्रतिबंध लगाया गया है। किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को कलेक्टर के पूर्व अनुमोदन के बिना अवकाश स्वीकृत नहीं किया जाएगा। साथ ही बिना पूर्व अनुमति के कोई भी अधिकारी या कर्मचारी मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे। विशेष परिस्थितियों में अवकाश के लिए आवेदन जिला जनगणना शाखा के माध्यम से प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। जिसके बाद ही अवकाश स्वीकृत किया जाएगा। इसके अलावा पूर्व में कार्यालय प्रमुख द्वारा स्वीकृत अवकाश के मामलों में भी पुनः आवेदन प्रस्तुत कर कलेक्टर एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी से अनुमोदन लेना जरूरी होगा।

पानी की एक-एक बूंद के लिए आने वाले दिनों में करना पड़ सकता है संघर्ष

भीषण गर्मी में सूख गई जोंक नदी, गांवों में जलसंकट, किसानों की बढ़ी परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नर्रा

भीषण गर्मी और जोंक नदी के सूखते जलस्तर ने क्षेत्र के अन्नदाताओं की माथे पर चिंता की लकीरें गहरी कर दी है। जैसे-जैसे पारा चढ़ रहा है, जीवनदायनी जोंक नदी दम तोड़ती नजर आ रही है। केवल रेत का मैदान बन कर रह गया है। तस्वीर साफ बयां करती है कि पानी एक- एक बूंद के लिए आने वाले दिनों में संघर्ष और बढ़ सकता है। बल्कि यह उन हजारों ग्रामीणों और मवेशियों के लिए जीवन संकट जैसा है जो अपनी दैनिक जरूरतों निस्तारी के लिए पूरी तरह इस नदी पर निर्भर है। ज्ञात हो कि इस जोंक नदी के किनारे बसे गांवों में नर्रा, राटापाली, बनियातोरा, परकोम, परसुली, सेनभांठा और खट्टी इत्यादि गांवों के अन्नदाताओं ने नदी की रेत में केसिंग डाल कर सबमर्सिबल मोटर पंप के माध्यम से खेत की सिंचाई कर ग्रीष्मकालीन रबी धान, मूंगफली, सब्जी का खेती हजारों एकड़ में की है। लेकिन लहलहाती फसल अब पानी के अभाव में सूखने की कगार पर है। यदि अगले कुछ दिनों में पानी की व्यवस्था नहीं हुई तो किसानों को लाखों रुपए का नुकसान उठाना पड़ सकता है। नदी में पानी न होने के कारण ग्रामीणों के निस्तारी की समस्या बनी हुई है।

बोरवेल व कुओं का जलस्तर भी गिरा

किसानों ने कड़ी मेहनत से रबी फसल धान की बोआई की है। फसल में बालियां आना शुरू हो गया है। अब पानी की जरूरत पड़ने लगी है। किसान खाद, बीज ट्रैक्टर, जोताई मताई लेकर मजदूरी में खर्च कर चुके हैं। जोंक नदी सूखने से आसपास के बोरवेल व कुंआ तालाब का जल स्तर भी काफी नीचे चला गया है। फसल को बचाने के लिए पतोरा बांध ओडिशा से पानी छोड़ने की मांग शासन-प्रशासन से की गई है।

बैठक: भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के 21 जून को होंगे कई कार्यक्रम

राज्य मुख्य आयुक्त ने तीन जिलों में बैठक लेकर दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महासमुंद

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के राज्य मुख्य आयुक्त इंद्रजीत सिंह खालसा ने कांकेर, कोंडागांव एवं धमतरी जिलों की वार्षिक समीक्षा बैठक लेते हुए इन जिलों में संचालित स्काउट-गाइड गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आगामी वर्ष के लिए कार्ययोजना तैयार की गई।

बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी, जिला संघ के जिलाध्यक्ष, जिला मुख्य आयुक्त सहित विभिन्न विकासखंडों से आए स्काउट-गाइड पदाधिकारी, स्काउट मास्टर, गाइड कैप्टन एवं बड़ी संख्या में स्काउट-गाइड के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। राज्य मुख्य आयुक्त खालसा ने सभी उपस्थितजनों का आभार व्यक्त करते हुए निर्देशित किया कि 21 जून विश्व योग दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएं तथा जुलाई माह में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत जिला एवं विकासखंड स्तर पर वृहद वृक्षारोपण किया जाए। उन्होंने

महाविद्यालय स्तर पर भी स्काउटिंग गतिविधियों के विस्तार, प्रशिक्षण संचालन एवं ओवायएमएस पंजीयन बढ़ाने पर जोर दिया। साथ ही सभी शालाओं में पंजीयन शुल्क समय पर जमा करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में स्काउटिंग के क्षेत्र में सराहनीय कार्य हो रहा है, जिसे और अधिक प्रभावी बनाकर छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बनाना आवश्यक है। बैठक में वर्षभर संचालित गतिविधियों जैसे अंशदान पंजीयन, छात्र-छात्राओं के प्रशिक्षण शिविर, शिक्षक-शिक्षिकाओं के प्रशिक्षण, सेवा कार्य, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, आपदा प्रबंधन जागरूकता, सड़क सुरक्षा कार्यक्रम, ओवायएमएस पंजीयन, सदस्यता वृद्धि एवं साहसिक गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा की गई। साथ ही विद्यालय स्तर पर नई स्काउट-गाइड इकाइयों के गठन, पंजीयन, नियमित परेड एवं प्रशिक्षण संचालन को सुदृढ़ बनाने पर विशेष चर्चा हुई। राज्य मुख्य आयुक्त ने सभी इकाइयों को स्काउट-गाइड नियमों के अनुरूप कार्य करते हुए बच्चों में अनुशासन, सेवा भावना एवं नेतृत्व क्षमता विकसित करने के निर्देश दिए। बैठक में आगामी सत्र के लिए कार्यक्रम कैलेंडर, प्रशिक्षण योजना एवं स्काउट-गाइड आंदोलन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए आवश्यक सुझावों पर सहमति बनी। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

इस अवसर पर चेतन हिंदुजा, सोहनलाल, सियाराम नेम, दिनेश चौरडिया (जिला संगठन आयुक्त, स्काउट), भीष्मदेव साहू, किरण सिंह ठाकुर (जिला संगठन आयुक्त, गाइड), प्रदीप सेन (जिला प्रशिक्षण आयुक्त, स्काउट), प्रदीप कुलदीप, आरके आर्ची (वरिष्ठ स्काउटर) एवं जिला मीडिया प्रभारी हर्ष कुमार डोंगरे सहित जिले के समस्त संस्थाओं से आए स्काउट-गाइड प्रभारी, रोवर-रेंजर एवं स्काउट-गाइड उपस्थित थे।

नर्रा में पानी टंकी का मुख्य वाल्व लीकेज, परिसर में जलभराव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नर्रा

जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के जमीनी हकीकत कुछ और बयां कर रही है। शासन द्वारा ग्राम पंचायत नर्रा के वार्ड नं. 1 में लाखों रुपए की लागत से निर्मित पानी टंकी पाइपलाइन को भ्रष्टाचार और विभागीय लापरवाही की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। निर्मित पानी टंकी का मुख्य वाल्व लीकेज है। वहीं वाल्व लीकेज होने के कारण टंकी परिसर में जल भराव हो गया है। जिससे हजारों लीटर पानी व्यर्थ बहकर रहा है।

ग्रामीण पाइपलाइन और वाल्व की गुणवत्ता पर सवाल उठा रहे हैं। क्योंकि, निर्माण के कुछ समय बाद ही वाल्व लीकेज होना शुरू हो गया था। चिलचिलाती भीषण गर्मी में वार्डवासियों को पीने के लिए पर्याप्त पानी भी नहीं मिल पा रहा है। वाल्व और पाइप लाइन लीकेज होने के चलते टंकी के पास गंदगी पसरी हुई है। जमा पानी से मच्छर पनपने और बीमारियों के फैलने का खतरा मंडरा रहा है। यह जल जीवन मिशन के कार्यों में निर्माण एजेंसी और संबधित विभाग की लापरवाही उजागर करता है।

पानी के रिसाव से नींव धंसने का खतरा

पानी की लगातार जमाव के कारण अब टंकी की मजबूती पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। टंकी के मुख्य वाल्व से हो रहे निरंतर रिसाव और परिसर में पानी भरने से न केवल पानी की बर्बादी हो रही है, बल्कि यह भविष्य में किसी बड़े हादसे का संकेत भी दे रहा है। पानी भरने से टंकी की नींव कमजोर हो सकती है।

उपनिरीक्षक बनने 26 को 9 परीक्षा केंद्रों में 4917 परीक्षार्थी होंगे शामिल

व्यापम द्वारा परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महासमुंद

महासमुंद। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर द्वारा आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड अंतर्गत उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा का आयोजन रविवार 26 अप्रैल को जिले में एक पाली में किया जाएगा। परीक्षा का समय प्रातः 10 बजे से 12:15 बजे तक निर्धारित है। जिसमें जिले के 19 निर्धारित परीक्षा केंद्रों में कुल 4917 परीक्षार्थी शामिल होंगे। व्यापम द्वारा परीक्षा को सुव्यवस्थित एवं निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने के लिए परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। सभी अभ्यर्थियों को परीक्षा से एक दिन पूर्व अपने परीक्षा केंद्र का अवलोकन करने की सलाह दी गई है, ताकि परीक्षा के दिन किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। परीक्षार्थियों को परीक्षा प्रारंभ होने से कम से कम दो घंटे पहले परीक्षा केंद्र पहुंचना अनिवार्य होगा। इस दौरान फ्रिस्किंग (सुरक्षा जांच) एवं फोटो युक्त मूल पहचान पत्र से सत्यापन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। परीक्षा शुरू होने से 30 मिनट पूर्व प्रातः 9:30 बजे परीक्षा केंद्र का मुख्य द्वार बंद कर दिया जाएगा, तत्पश्चात परीक्षार्थियों के लिए प्रवेश निषेध है, इसलिए समय का विशेष ध्यान रखना आवश्यक है।

जारी निर्देशों के अनुसार परीक्षार्थियों को हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहनकर आने की अनुमति होगी। जबकि, गहरे रंग जैसे काला, गहरा नीला, हरा, जामुनी, मैरून आदि रंगों के कपड़े पहनना वर्जित रहेगा। धार्मिक एवं सांस्कृतिक पोशाक पहनने वाले अभ्यर्थियों को अतिरिक्त समय पूर्व पहुंचकर विशेष जांच प्रक्रिया से गुजरना होगा। फुटवियर के रूप में केवल चप्पल पहनने की अनुमति दी गई है तथा कान में किसी भी प्रकार के आभूषण पहनना प्रतिबंधित रहेगा। परीक्षा कक्ष में मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, घड़ी, पर्स, बेल्ट, टोपी सहित अन्य सामग्री ले जाना पूरी तरह वर्जित है। अभ्यर्थियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने प्रवेश पत्र के सभी पृष्ठों का एक तरफ प्रिंट लेकर आएं, क्योंकि प्रत्येक परीक्षा में इसकी एक प्रति केंद्र में जमा की जाएगी। साथ ही मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड या ड्राइविंग लाइसेंस जैसे फोटो युक्त मूल पहचान पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा। मूल पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं करने पर प्रवेश नहीं दिया जाएगा। जिसके लिए अभ्यर्थी स्वयं जिम्मेदार होंगे। परीक्षा के दौरान केवल काले या नीले बॉल प्वाइंट पेन का ही उपयोग करना होगा। परीक्षा प्रारंभ होने से आधा घंटा पहले और समाप्ति के अंतिम आधे घंटे में परीक्षा कक्ष से बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी। निर्देशों का पालन न करने पर अभ्यर्थी को परीक्षा से वंचित किया जा सकता है। वहीं, अनुचित साधनों के उपयोग पर कड़ी कार्रवाई करते हुए अभ्यर्थिता समाप्त करने की चेतावनी भी दी गई है।

श्रीमद भागवत महापुराण कथा का शुभारंभ, कलश यात्रा में उमड़ा श्रद्धा का सागर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महासमुंद

शहर के पंजाबी पारा स्थित वार्ड क्रमांक 23 में आयोजित श्रीमद भागवत महापुराण कथा ज्ञान सप्ताह का शुभारंभ अत्यंत भक्तिमय वातावरण में हुआ। कथा के प्रथम दिवस आचार्य नारायण दास वैष्णव (श्रीराम मंदिर महासमुंद) के सानिध्य में भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसने पूरे क्षेत्र को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया।

कलश यात्रा कथा स्थल से रामेश्वरी मंदिर होकर पुनः कथा स्थल तक पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजा-अर्चना कर कथा का शुभारंभ किया। यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर उत्साह और भक्ति भाव से भाग लिया। भजन-कीर्तन, शंखनाद और जयघोष के बीच पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

शुकदेव-परिक्षित संवाद और नारद अवतार का भावपूर्ण वर्णन

कथा के दूसरे दिन आचार्य नारायण दास वैष्णव ने भागवत महापुराण के द्वितीय स्कंध के प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने शुकदेव और राजा परीक्षित के संवाद के माध्यम से जीवन की नश्वरता और भक्ति की महिमा को सरल शब्दों में समझाया। साथ ही नारद अवतार की कथा सुनाते हुए बताया कि सत्संग और प्रभु स्मरण से ही मनुष्य जीवन सार्थक होता है। इस पावन अवसर पर पुरोहित एवं परायणकर्ता पंडित हेमंत दास वैष्णव (महासमुंद) एवं पंडित सूरज दास वैष्णव (चिंगरौद) भी अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं, जिनके सानिध्य में संपूर्ण अनुष्ठान विधिवत संपन्न हो रहा है। आचार्य नारायण

दास ने कहा कि भागवत कथा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का माध्यम है। कथा श्रवण से मनुष्य के भीतर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और जीवन में शांति एवं संतुलन आता है।

भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए कथा का समय परिवर्तित कर अब प्रतिदिन शाम 4 बजे से किया गया है, जिसमें श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित होकर कथा का रसपान कर रहे हैं। श्रीमद भागवत कथा महापुराण का आयोजन प्रेमशीला-पोषण साहू पंजाबी पारा एवं साहू परिवार द्वारा किया जा रहा है। साथ ही आयोजन में आसपास सहित समस्त श्रद्धालुओं का सराहनीय योगदान है। आगामी दिनों में प्रहलाद चरित्र, वामन अवतार, श्रीराम कृष्ण प्राकट्य उत्सव का आयोजन होगा। विभिन्न पौराणिक प्रसंगों के साथ कथा का क्रम 28 अप्रैल तक निरंतर जारी रहेगा।

दो दिवसीय खेल में खिलाड़ियों ने खेल भावना का परिचय देते हुए दिखाया जौहर

केंद्रीय विद्यालय में संभाग स्तरीय खेलकूद का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महासमुंद

स्थानीय पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय में 55वीं संभाग स्तरीय दो दिवसीय खेलकूद में खिलाड़ियों ने खेल भावना का परिचय देते हुए अपना जौहर दिखाया। हैंडबॉल में पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय का दबदबा रहा। द्वितीय केवि चिरमिरी तथा केवि दुर्ग तृतीय स्थान पर रहे। शूटिंग में पीएमश्री केवि बिलासपुर के एयर पिस्टल में के दक्षित में गोल्ड पर निशाना साधा। वही एयर राइफल में केवि कुरूद के राज निषाद ने अपना बेहतर प्रदर्शन कर प्रथम एवम केवि धमतरी के प्रतीक साहू ने द्वितीय

स्थान प्राप्त किया। अंडर 14 बालिका में एयर राइफल में पीएमश्री केवि धमतरी की श्रेया देवांगन को स्वर्ण पदक प्राप्त होने का श्रेय मिला। वही अर्विका वैष्णव को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। वंदिता साहू पीएमश्री के वि कुरूद को तीसरा स्थान पर संतोष करना पड़ा। अंडर 19 बालिका की स्वस्तिका सिंह केवि धमतरी ने स्वर्ण पर कब्जा जमाया। सौम्य केवि धमतरी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। बैडमिंटन के खिलाड़ियों ने बेहतर अंडर 14 बालक में अरविंदम जयसवाल केवि दुर्ग प्रथम, वेदांत

केवि राजनादगांव, द्वितीय रुद्राक्ष केवि क्रमांक 2 कोरबा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। अंडर 17 बालक वर्ग ने अरहत केवि राजनांदगांव को प्रथम, करण मेहरा के वि अंबिकापुर द्वितीय, आदित्य यादव केवि राजनांदगांव को तृतीय स्थान मिला। अंडर 18 बालक में आशीष निषाद केवि सुकमा प्रथम, ऋषभ केवि जगदलपुर द्वितीय, कुणाल झा केवि डोंगरगढ़ तृतीय स्थान पर रहे। अंडर 14 बालिका सव्या कार्तिका केवि जगदलपुर को प्रथम अन्वेषा केवि एनटीपीसी कोरबा द्वितीय, दिथ्या शिवानी के वि जगदलपुर तृतीय रही। अंडर 17 बालिका अदिति सिंग केवि रायगढ़ प्रथम, मोई दास केवि जशपुर द्वितीय, संभवी अग्रावक केवि बिलासपुर तृतीय रही। इस अवसर पर ग्लोरिया मिंज प्राचार्य पीएमश्री के वि कुरूद विशेष रूप से कार्यक्रम के बारीकियों को ऑब्जर्व किया। प्राचार्य संजय कंसल ने सभी के उज्वल भविष्य की शुभेच्छा जताई। कार्यक्रम में सोहन लाल साहू, राजेश चंद्राकर, शैलेंद्र पाने, अजीत चौरसिया तथा कांता एक्का प्रधान अध्यापिका आदि मौजूद रहे। संचालन दशरथ यादव व आभार प्रदर्शन सोहन लाल साहू ने किया।

online Booking:-www.tripuryatra.com
सुविधा ज्यादा सबसे कम राशि पर
स्लीपर मात्र 21,500/-
15 दिन
चार धाम यात्रा
श्री केदार नाथ, श्री बद्रीनाथ, श्री गंगोत्री
श्री यमुनोत्री, श्री हरिद्वार, श्री ऋषिकेश
श्री त्रियुगीनारायण, श्री तुगनाथ महादेव
अन्य दर्शन:-काशी विश्वनाथ, पंच प्रयाग दर्शन- (विष्णुप्रयाग, नंदप्रयाग, कर्णप्रयाग, रुद्रप्रयाग, देवप्रयाग), माना गाँव (भारत का अंतिम गाँव),धारी देवी,चोपता
07 मई, 11 मई,
25 मई, 06 जून, 15 जून 2026
राशि:-स्लीपर-21,500/-, 3 एसी- 31,500/-, 2 एसी- 38,500/- (+5%GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
RAIPUR- D-36, Sector-4, Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road
संपर्क करें:-7354-411411